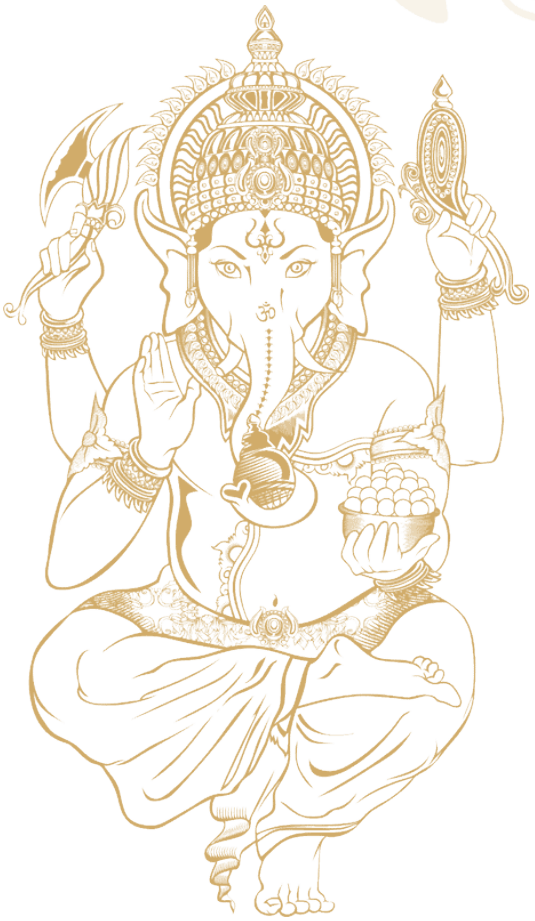

Yuga Vishakha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119673802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11-12/11/1999	जन्म तिथि	06/12/1995
गुरु-शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 04:50:00	जन्म समय	23:50:00 घंटे
घटी 55:17:02	जन्म समय(घटी)	42:00:29 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Jaipur
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:43:11	सूर्योदय	07:01:48
17:37:32	सूर्यास्त	17:33:12
23:51:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:07

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 3वर्ष 5मा 4दि	29:42:31	कन्या	लग्न	सिंह	14:44:40	चन्द्र 4वर्ष 8मा 2दि
सूर्य	25:16:06	तुला	सूर्य	वृश्चि	20:21:02	गुरु
17/04/2023	06:48:12	धनु	चंद्र	वृष	17:06:04	09/08/2025
16/04/2029	25:16:37	धनु	मंगल	धनु	10:53:41	09/08/2041
सूर्य 04/08/2023	04:11:59	वृश्चि व	बुध	वृश्चि	27:50:34	गुरु 27/09/2027
चन्द्र 03/02/2024	03:35:59	मेष व	गुरु	वृश्चि	29:55:59	शनि 09/04/2030
मंगल 10/06/2024	09:13:00	कन्या	शुक्र	धनु	17:37:30	बुध 15/07/2032
राहु 05/05/2025	19:24:50	मेष व	शनि	कुंभ	24:23:34	केतु 21/06/2033
गुरु 21/02/2026	12:58:50	कर्क व	राहु व	तुला	01:46:36	शुक्र 20/02/2036
शनि 03/02/2027	12:58:50	मक व	केतु व	मेष	01:46:36	सूर्य 08/12/2036
बुध 10/12/2027	19:10:37	मक	हर्ष	मक	04:14:20	चन्द्र 09/04/2038
केतु 16/04/2028	07:58:11	मक	नेप	मक	00:00:37	मंगल 16/03/2039
शुक्र 16/04/2029	15:41:08	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	07:13:31	राहु 09/08/2041

लग्न-चलित

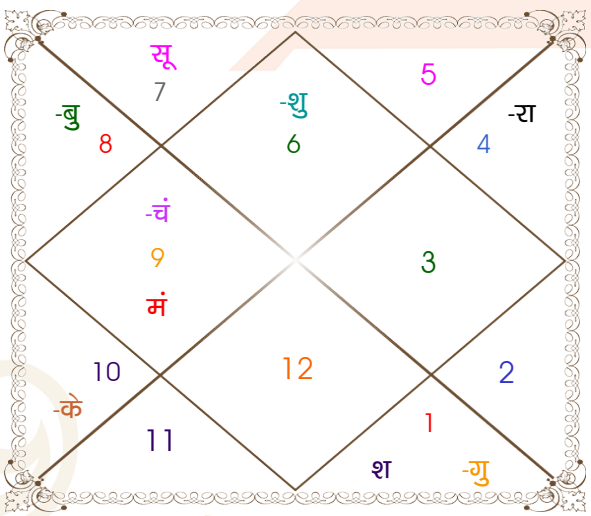

लग्न-चलित

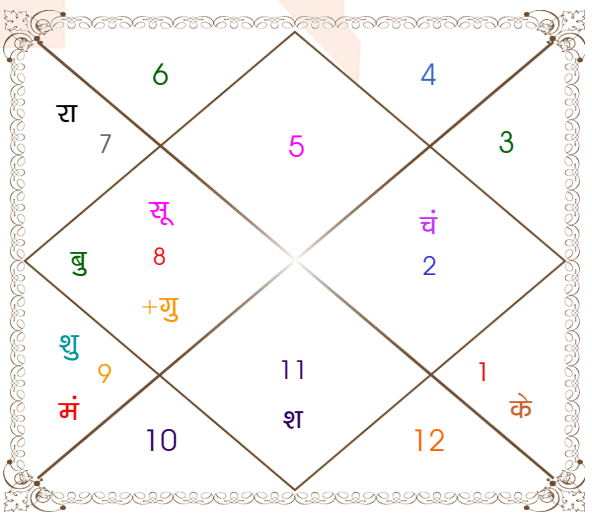

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Yuga का वर्ग मूषक है तथा Vishakha का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Yuga और Vishakha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Yuga मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Yuga कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Vishakha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Vishakha कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

Yuga तथा Vishakha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।